हराने की मुझको कसम सब ने खाई , मगर मुझको कान्हा ने जीत दिलाई

हराने की मुझको , कसम सब ने खाई ,
मगर मुझको कान्हा ने , जीत दिलाई ,

मेरे अपने सारे , सभी मुझसे रूठे ,
बस एक पल में ही , सारे रिश्ते वो टूटे ,
डूबने लगी जब , मेरे जीवन की नय्या ,
तब कान्हा ने नय्या , मेरी पार लगाई ,

हराने की मुझको , कसम सब ने खाई ,
मगर मुझको कान्हा ने , जीत दिलाई ,

जिसे अपना समझा , वो निकले पराए ,
दिल की ये बाते , अब किसको बताए ,
अंधेरे में डूबा , जब जीवन ये मेरा ,
तब कान्हा ने मुझको, नई रोशनी दिखाई ,

हराने की मुझको , कसम सब ने खाई ,
मगर मुझको कान्हा ने , जीत दिलाई ,

अब ना किसी पे , भरोसा करूंगा ,
जब तक जियूंगा , कान्हा की भक्ति करूंगा ,
अब राहे नई है , ये जीवन नया है ,
चलूंगा में उसी राह पर , जो कान्हा ने दिखाई ,

हराने की मुझको , कसम सब ने खाई ,
मगर मुझको कान्हा ने , जीत दिलाई ,

Bhajan Lyrics - Jay Prakash Verma, Indore

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/36881/title/harane-ki-mujhko-kasam-sab-ne-khai---magar-mujhko-kanha-ne-jeet-dilai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |